

FOR IMMEDIATE RELEASE

Ref No: PRD/Press Note/29/2022-23

Date: 14/03/2023

BIS Launches 'Learning Science via Standards' Series

The series aims at bridging the gap between theory and real life use of science education – Shri Pramod Kumar Tiwari, Director General, BIS

New Delhi, India: The Bureau of Indian Standards (BIS), the National Standards Body of India has announced the launch of 'Learning Science via Standards', a unique initiative for students for learning science via standards.

The 'Learning Science via Standards' initiative focuses on a series of lesson plans aimed to use scientific concepts, principles and laws to help students understand their practical applications in manufacturing, functioning and testing of quality characteristics of different products as stated in the relevant Indian Standards. The subjects for the lesson plans are largely related to products used in day-to-day life and have been chosen based on their relevance to education as part of the course curriculum as well as to industrial applications. BIS officials and resource personnel will transact the lesson plans to the students for an interactive learning experience. These lesson plans will also be hosted on the BIS website.

Further, the lesson plans would also serve as a means for the students of schools and colleges to appreciate the significance of quality and standards and empower them to boldly face the real life situations in any of their future endeavours. This is notable that, the 'Learning Science via Standards' series is in continuum with an earlier BIS initiative under which 'Standards Clubs' are being established in educational institutions across India. Over 4200 such *Clubs* have already been formed with over one lakh student members. To initiate the activities under these Clubs, more than 3400 science teachers have been trained to act as Mentors.

'Standards Clubs' undertake student-centric activities like debates, quiz and competitions, including standards-writing competitions. Students are also taken for exposure visits to industries and laboratories for witnessing the various manufacturing and testing processes as well as BIS offices which have been developed as learning spaces. BIS provides financial support to these *Clubs* for undertaking up to three activities in a year.

Commenting on this initiative, **the Director-General of BIS, Shri Pramod Kumar Tiwari, IAS, said, "The 'Learning Science via Standards' initiative is a step towards bridging the gap between theory and real life use of science education. It will enable students to relate the concepts of science to their actual applications and also promote a culture of quality and standardization in the country."**

The 'Learning Science via Standards' initiative is expected to benefit a wide range of students, including those in schools, colleges, and technical institutions. It will also contribute towards their capacity building to engage successfully in a variety of economic sectors in the country.

For more information on this initiative, please visit BIS website or contact the nearest BIS office.

Public Relations Department

भारतीय मानक ब्यूरो
(जनसंपर्क विभाग)

तत्काल प्रकाशनार्थ

संदर्भ संख्या: जसंवि/प्रैस विज्ञप्ति/29/2022-23

दिनांक: 14/03/2023

बीआईएस ने 'मानकों के माध्यम से विज्ञान सीखना' श्रृंखला प्रारंभ की

श्रृंखला का उद्देश्य विज्ञान शिक्षा के सिद्धांत और वास्तविक जीवन उपयोग के बीच की खाई को पाटना है - श्री प्रमोद कुमार तिवारी, महानिदेशक, बीआईएस

नई दिल्ली, भारत:

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस), भारत के राष्ट्रीय मानक निकाय ने मानकों के माध्यम से विज्ञान सीखने के लिए छात्रों हेतु एक अनूठी पहल 'मानकों के माध्यम से विज्ञान सीखना' प्रारंभ करने की घोषणा की है।

'मानकों के माध्यम से विज्ञान सीखना' पहल पाठ योजनाओं की एक श्रृंखला पर केंद्रित है, जिसका उद्देश्य वैज्ञानिक अवधारणाओं, सिद्धांतों और कानूनों का उपयोग करना है ताकि छात्रों को संबंधित भारतीय मानकों में बताए गए विभिन्न उत्पादों की गुणवत्ता विशेषताओं के विनिर्माण, कामकाज और परीक्षण में उनके व्यावहारिक अनुप्रयोगों को समझने में मदद मिल सके। पाठ योजनाओं के लिए विषय काफी हद तक दिन-प्रतिदिन के जीवन में उपयोग किए जाने वाले उत्पादों से संबंधित हैं और पाठ्यक्रम पाठ्यक्रम के साथ-साथ औद्योगिक अनुप्रयोगों के हिस्से के रूप में शिक्षा के लिए उनकी प्रासंगिकता के आधार पर चुने गए हैं। बीआईएस कार्मिक और संसाधन कर्मी एक इंटरैक्टिव सीखने के अनुभव हेतु छात्रों को पाठ योजनाओं का आदान-प्रदान करेंगे। इन पाठ योजनाओं को बीआईएस वेबसाइट पर भी होस्ट किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, पाठ योजनाएं स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों के लिए गुणवत्ता और मानकों के महत्व की सराहना करने और उन्हें अपने भविष्य के किसी भी प्रयास में वास्तविक जीवन स्थितियों का साहसपूर्वक सामना करने के लिए सशक्त बनाने के साधन के रूप में भी काम करेंगी। उल्लेखनीय है कि 'मानकों के माध्यम से शिक्षण विज्ञान' श्रृंखला पहले की बीआईएस पहल के साथ निरंतरता में है, जिसके तहत पूरे भारत में शैक्षणिक संस्थानों में 'मानक क्लब' स्थापित किए जा रहे हैं। एक लाख से अधिक छात्र सदस्यों के साथ 4200 से अधिक ऐसे क्लब पहले ही गठित किए जा चुके हैं। इन क्लबों के तहत गतिविधियों को शुरू करने के लिए, 3400 से अधिक विज्ञान शिक्षकों को सलाहकार के रूप में कार्य करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है।

'मानक क्लब' छात्र-केंद्रित गतिविधियों जैसे वाद-विवाद, प्रश्नोत्तरी और प्रतियोगिताओं का संचालन करते हैं, जिसमें मानक-लेखन प्रतियोगिताएं शामिल हैं। छात्रों को विभिन्न विनिर्माण और परीक्षण प्रक्रियाओं, उद्योगों और प्रयोगशालाओं के साथ-साथ बीआईएस कार्यालयों को देखने के लिए दौरा करवाने हेतु भी ले जाया जाता है,

जिन्हें सीखने के स्थान के रूप में विकसित किया गया है। बीआईएस इन क्लबों को एक वर्ष में तीन गतिविधियों को शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान करता है।

इस पहल पर टिप्पणी करते हुए, बीआईएस के महानिदेशक, श्री प्रमोद कुमार तिवारी, आईएस ने कहा, 'मानकों के माध्यम से विज्ञान सीखना' पहल विज्ञान शिक्षा के सिद्धांत और वास्तविक जीवन उपयोग के बीच की खाई को पाटने की दिशा में एक कदम है। यह छात्रों को विज्ञान की अवधारणाओं, उनसे संबंधित वास्तविक अनुप्रयोगों में सक्षम करेगा और देश में गुणवत्ता और मानकीकरण की संस्कृति को भी बढ़ावा देगा।

'मानकों के माध्यम से विज्ञान सीखना' पहल से स्कूलों, कॉलेजों और तकनीकी संस्थानों के छात्रों की एक विस्तृत श्रृंखला को लाभ होने की उम्मीद है। यह देश में विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों में सफलतापूर्वक सम्मिलित होने के लिए उनकी क्षमता निर्माण की दिशा में भी योगदान देगा।

इस पहल के बारे में अधिक जानकारी के लिए, कृपया बीआईएस वेबसाइट देखें अथवा निकटतम बीआईएस कार्यालय से संपर्क करें।

जनसंपर्क विभाग